NEWS CLIPPING:05.10.2023

PUNJAB KESARI

जेसी बोस विश्वविद्यालय में तीन दिवसीय थिएटर कार्यशाला का शुभारंभ

फरीदाबाद, 4 अक्तूबर (सूरजमल/ पूजा): जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद के साहित्य एवं भाषा विभाग द्वारा आयोजित तीन दिवसीय थिएटर कार्यशाला आज प्रारंभ हो गई। कार्यक्रम का आयोजन कुलपति प्रो. एस.के. तोमर के मार्गदर्शन में किया जा रहा है। कार्यक्रम की शुरुआत कार्यशाला समन्वयक सहायक प्रोफेसर ममता बंसल के स्वागत संबोधन से हुई, जिसके बाद कार्यशाला संयोजक प्रो. दिव्यज्योति सिंह ने कार्यशाला के उद्देश्य पर प्रकाश डाला।

उन्होंने बताया कि कार्यशाला को विश्वविद्यालय में साहित्य के छात्रों की विशिष्ट आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए डिजाइन किया गया है। प्रतिभागियों को प्रसिद्ध अभिनेता और निर्देशक प्रो. रवि चतुर्वेदी जोकि नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा (एनएसडी) और फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (एफटीआईआई) के पूर्व छात्र भी रहे है, कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में विशिष्ट अतिथि रहे।

इस अवसर पर सम्मानित अतिथियों में इंडियन सोसाइटी ऑफ थिएटर रिसर्च के सचिव डॉ. शिव सिंह पहलावत तथा विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र हर्षवर्धन चतुर्वेदी भी उपस्थित रहे, जिन्होंने कार्यशाला के दौरान विशेषज्ञता और अनुभव छात्रों के साथ साझा किया। कार्यशाला के अंतर्गत आयोजित गतिविधियों में हर्षवर्धन चतुर्वेदी द्वारा संचालित थिएटर अभ्यास और प्रो. रवि चतुर्वेदी का व्याख्यान आकर्षण के केन्द्र रहे। प्रो.चतुर्वेदी ने भारत के नाट्यशास्त्र और अरस्तू के काव्यशास्त्र के बीच समानताओं पर चर्चा की तथा भारतीय एवं पश्चिमी परंपराओं के बीच अंतर स्पष्ट किया। इस अवसर पर एमए अंग्रेजी के छात्रों ने शेक्सपियर के नाटक दि मर्चेंट ऑफ वेनिस पर प्रस्तुति दी।

दीप प्रज्वलित कर कार्यशाला का शुभारंभ करती हुई प्रो. पूनम सिंघल साथ में प्रो. रवि चतुर्वेदी एवं अन्य।

प्रस्तुति देने वाले छात्रों में केरेन, अंशिका, कल्पना, खुशी और मोनिका शामिल रहे, जिन्होंने नाटक के पात्रों को शानदार ढंग से चित्रित किया। सत्र को संबोधित करते हुए लिबरल आर्ट्स और मीडिया स्टडीज संकाय की डीन प्रो.पूनम सिंघल ने विश्वविद्यालयों में मानविकी उन्मुख पाठ्यक्रमों की महत्वपूर्ण भूमिका और समग्र शिक्षा के महत्व पर बल दिया।

कार्यशाला में 150 प्रतिभागियों की भागीदारी रही। साहित्य एवं भाषा विभाग के अध्यक्ष प्रो. अतुल मिश्रा ने कार्यशाला के आयोजन में शामिल सभी लोगों का आभार जताया। तीन दिवसीय थिएटर कार्यशाला का क्रियान्वयन संकाय सदस्यों में सहायक प्रोफेसर एमए रहमानी, प्रेरणा, अनीता, रचिता के साथ-साथ विभाग के शोधकर्ताओं द्वारा किया जा रहा है।

NEWS CLIPPING:05.10.2023

PIONEER

जेसी बोस विश्वविद्यालय में तीन दिवसीय थिएटर कार्यशाला का शुभारंभ

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय वाईएमसीए फरीदाबाद के साहित्य एवं भाषा विभाग द्वारा आयोजित तीन दिवसीय थिएटर कार्यशाला बुधवार को प्रारंभ हो गई। कार्यक्रम का आयोजन कुलपति प्रो. एसके तोमर के मार्गदर्शन में किया जा रहा है।

कार्यक्रम की शुरुआत कार्यशाला समन्वयक सहायक प्रोफेसर ममता बंसल के स्वागत संबोधन से हुई, जिसके बाद कार्यशाला संयोजक प्रो. दिव्यज्योति सिंह ने कार्यशाला के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि कार्यशाला को विश्वविद्यालय में साहित्य के छात्रों की विशिष्ट आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए डिजाइन किया गया है। प्रतिभागियों को

प्रसिद्ध अभिनेता और निर्देशक प्रो. रवि चतुर्वेदी जोकि नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा और फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के पूर्व छात्र भी रहे हैं, कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में विशिष्ट अतिथि रहे। इस अवसर पर सम्मानित अतिथियों में इंडियन सोसाइटी ऑफ थिएटर रिसर्च के सचिव डॉ. शिव सिंह पहलावत तथा विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र हर्षवर्धन चतुर्वेदी भी उपस्थित रहे, जिन्होंने कार्यशाला के दौरान विशेषज्ञता और अनुभव छात्रों के साथ साझा किया।

कार्यशाला के अंतर्गत आयोजित गतिविधियों में हर्षवर्धन चतुर्वेदी द्वारा संचालित थिएटर अभ्यास और प्रो. रवि चतुर्वेदी का व्याख्यान आकर्षण के केंद्र रहे। प्रो. चतुर्वेदी ने भारत के नाट्यशास्त्र और अरस्तू के काव्यशास्त्र के बीच समानताओं पर चर्चा की तथा भारतीय एवं पश्चिमी परंपराओं के बीच अंतर स्पष्ट किया। इस अवसर पर एमए अंग्रेजी के छात्रों ने शेक्सपियर के नाटक 'द मर्चेंट ऑफ वेनिस' पर प्रस्तुति दी। प्रस्तुति देने वाले छात्रों में केरेन, अंशिका, कल्पना, खुशी और मोनिका शामिल रहे, जिन्होंने नाटक के पात्रों को शानदार ढंग से चित्रित किया। सत्र को संबोधित करते हुए लिबरल आर्ट्स और मीडिया स्टडीज संकाय की डीन प्रो. पूनम सिंघल ने विश्वविद्यालयों में मानविकी-उन्मुख पाठ्यक्रमों की महत्वपूर्ण भूमिका और समग्र शिक्षा के महत्व पर बल दिया। कार्यशाला में 150 प्रतिभागियों की भागीदारी रही। साहित्य एवं भाषा विभाग के अध्यक्ष प्रो. अतुल मिश्रा ने कार्यशाला के आयोजन में शामिल सभी लोगों का आभार जताया। तीन दिवसीय थिएटर कार्यशाला का क्रियान्वयन संकाय सदस्यों में सहायक प्रोफेसर एमए रहमानी, प्रेरणा, अनीता, रचिता के साथ-साथ विभाग के शोधकर्ताओं द्वारा किया जा रहा है।

NEWS CLIPPING:05.10.2023

PUNJAB KESARI

पत्रकारिता के पीजी विद्यार्थियों की तीन दिवसीय कार्यशाला संपन्न

जेसी बोस विवि में 'सिनेमा में संकेत और अर्थ' पर हुई कार्यशाला

फरीदाबाद, 4 अक्तूबर (पूजा): जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद के संचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा पत्रकारिता के पीजी विद्यार्थियों के लिए दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। भविष्य के पत्रकारों और मीडिया पेशेवरों के रूप में विद्यार्थियों के कौशल व दृष्टिकोण को बढ़ाने में सहायक होगी।'सिनेमा में संकेत और अर्थ' विषय पर आयोजित कार्यशाला में सिनेमा निर्माण की बारीकियां भी सिखाई गई।

कार्यशाला की संयोजिका सहायक प्राचार्य डॉ तरुणा नरूला ने बताया कि फिल्म विशेषज्ञ दीप्ति खुराना के साथ हमारी सिनेमा वर्कशॉप का पहला दिन एक ऐसी सिनेमाई यात्रा थी जो 'सिनेमा में संकेत और अर्थ' विषय को लेकर आयोजित की गई। जेसी बोस विश्वविद्यालय के संचार एवं मीडिया विभाग के एमएजेएमसी के छात्रों ने एक समृद्ध सिनेमाई यात्रा का अहसास किया। उक्त शैक्षिक कार्यक्रम में इतालवी नव यथार्थवाद की जटिलताओं और फ्रांसीसी न्यू वेव के नवाचार की अनुभूति कराई गई। कार्यशाला काफी ज्ञानवर्धक रही जिससे छात्रों को सिनेमा की भाषा की व्यापक समझ प्राप्त हुई।

संचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा आयोजित कार्यशाला में मुख्य वक्ता एवं फिल्म विशेषज्ञ दीप्ति खुराना को स्मृति चिन्ह स्वरूप पुस्तक भेंट करते हुए विभागाध्यक्ष डॉ पवन सिंह साथ में डॉ तरुणा नरूला। (छाया :शिवम शर्मा)

कार्यशाला के शुभारंभ से पूर्व संचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी विभाग के अध्यक्ष डॉ पवन सिंह ने मुख्य वक्ता फिल्म विशेषज्ञ दीप्ति खुराना का स्वागत करते हुए किया उन्हें स्मृति स्वरूप पुस्तक भेंट की। डॉ पवन सिंह ने कहा कि ऐसे आयोजन से पत्रकारिता के विद्यार्थियों को फिल्म निर्माण संबंधित व्यावहारिक ज्ञान प्राप्ति में भविष्य के पत्रकारों और मीडिया पेशेवरों के रूप में उनके कौशल और दृष्टिकोण को बढ़ाएगा। कार्यशाला के शुभारंभ में छात्रों को एक नए लेंस के माध्यम से सिनेमा को देखने के लिए प्रेरित और सुसज्जित करने के साथ हुआ, जो हर फ्रेम में चुने गए संकेतों और अर्थों की सराहना करने के ज्ञान से परिपूर्ण थे। कार्यशाला में मीडिया विद्यार्थियों को कला और सांस्कृतिक अभिव्यक्ति दोनों के रूप में सिनेमा का आलोचनात्मक विश्लेषण और सराहना करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। सुश्री दीप्ति खुराना की विशेषज्ञता और आकर्षक शिक्षण शैली ने यह सुनिश्चित किया कि छात्र विषय वस्तु की गहरी समझ लेकर निकले। सभी प्रतिभागियों ने अपने ज्ञान का विस्तार करने और सिनेमा के विविध पहलुओं पर सार्थक चर्चा में शामिल हुए। उन्होंने शामिल विषयों की व्यावहारिक प्रासंगिकता की भी सराहना की, जो निस्संदेह पत्रकारिता और जनसंचार के क्षेत्र में उनके भविष्य के प्रयासों को समृद्ध करेगी।

'सिनेमा में संकेत और अर्थ' पर यह कार्यशाला छात्रों को एक समग्र शिक्षा प्रदान करने के लिए आसपास की दुनिया का विश्लेषण और व्याख्या करने के लिए उपकरणों के साथ सशक्त बनाती है। दीप्ति खुराना ने कार्यशाला के दौरान पत्रकारिता के स्नातकोत्तर के विद्यार्थियों को सिनेमा के विभिन्न महत्वपूर्ण पहलुओं में गहराई से उतरने का मौका दिया। कार्यशाला के अंतर्गत सुश्री दीप्ति खुराना ने सिनेमा के बहुमुखी आयामों की खोज के माध्यम से छात्रों का कुशलतापूर्वक मार्गदर्शन किया। छात्र कई महत्वपूर्ण विषयों पर गहन चर्चा और इंटरैक्टिव सत्र में शामिल हुए जिनमें सिनेमा में उत्तर आधुनिकतावादी आंदोलन पर गहराई से चर्चा की, जिसमें कहानी कहने, कथा संरचना और वास्तविकता और कल्पना के बीच की सीमाओं के धुंधला होने पर इसके प्रभाव पर जोर दिया गया।

छात्रों ने लैंगिक भूमिकाओं के चित्रण का विश्लेषण किया और समझा कि कैसे सिनेमा लैंगिक समानता को बढ़ावा देने और रूढ़िवादिता को चुनौती देने का एक मंच रहा है। कार्यशाला में प्रतिभागियों ने इतालवी नव यथार्थवाद और फ्रांसीसी न्यू वेव के अग्रदूतों से लेकर समकालीन लेखकों तक, सिनेमा की समृद्ध परंपरा को समझा। जेसी बोस रेडियो रूम में आयोजित तीन दिवसीय कार्यशाला के समापन पर संयोजक सहायक प्राचार्य डॉ तरुणा नरूला एवं सहायक प्राचार्य डॉ भरत ने फिल्म विशेषज्ञ दीप्ति खुराना का विशेष आभार व्यक्त किया।

NEWS CLIPPING:05.10.2023

NAVBHARAT TIMES

जेसी बोस में थियेटर वर्कशॉप शुरू

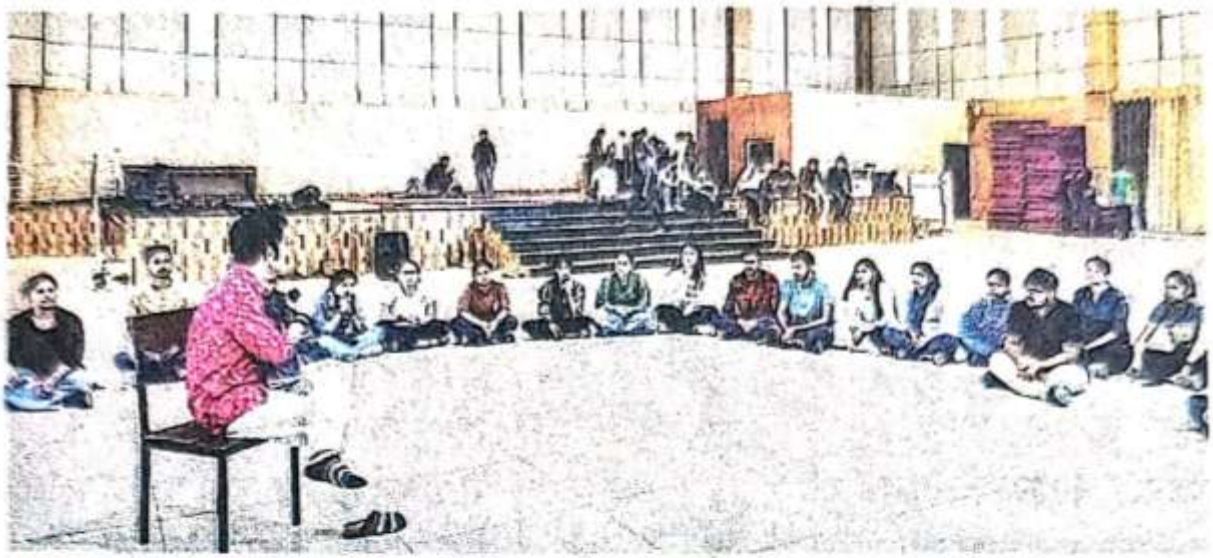

एनबीटी न्यूज, फरीदाबाद : जेसी बोस यूनिवर्सिटी के साहित्य व भाषा विभाग की तरफ से तीन दिवसीय थियेटर कार्यशाला कराई जा रही है। बुधवार को इसकी शुरुआत हुई। संयोजक दिव्यज्योति सिंह ने बताया कि कार्यशाला को यूनिवर्सिटी में साहित्य के छात्रों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए डिजाइन किया गया है। उद्घाटन सत्र में प्रफेसर रवि चतुर्वेदी विशिष्ट अतिथि रहे। उन्होंने भरत मुनि के नाट्यशास्त्र व अरस्तू के काव्यशास्त्र के बीच समानताओं पर चर्चा की। इस अवसर पर MA अंग्रेजी के छात्रों ने शेक्सपियर के नाटक द मर्चेंट ऑफ वेनिस पर प्रस्तुति दी। कार्यशाला में 150 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इस दौरान कुलपति प्रफेसर एसके तोमर, प्रफेसर ममता बंसल, इंडियन सोसायटी ऑफ थियेटर रिसर्च के सचिव डॉ. शिव सिंह पहलावत और हर्षवर्धन चतुर्वेदी भी मौजूद रहे।

NEWS CLIPPING:05.10.2023

HINDUSTAN

छात्रों ने शेक्सपियर के नाटक पर प्रस्तुति दी

फरीदाबाद, वरिष्ठ संवाददाता। जेसी बोस विश्वविद्यालय में तीन दिवसीय थिएटर कार्यशाला शुरू हुई। इसमें एमए अंग्रेजी के छात्रों ने शेक्सपियर के नाटक 'द मर्चेंट ऑफ वेनिस' पर प्रस्तुति दी। प्रस्तुति देने वाले छात्रों में केरेन, अंशिका, कल्पना, खुशी और मोनिका शामिल रहे।

कार्यक्रम का आयोजन कुलपति प्रो. एस.के. तोमर के मार्गदर्शन में किया जा रहा है। कार्यक्रम की शुरुआत कार्यशाला समन्वयक सहायक प्रोफेसर ममता बंसल के स्वागत संबोधन से हुई, जिसके बाद कार्यशाला संयोजक प्रो. दिव्यज्योति सिंह ने कार्यशाला के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि कार्यशाला को विश्वविद्यालय में साहित्य के छात्रों की विशिष्ट आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए डिजाइन किया गया है। प्रतिभागियों को प्रसिद्ध अभिनेता और निर्देशक प्रो. रवि चतुर्वेदी जोकि नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा और फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के पूर्व छात्र भी रहे हैं, कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में विशिष्ट अतिथि रहे। इस अवसर पर सम्मानित अतिथियों में इंडियन सोसाइटी ऑफ थिएटर रिसर्च के सचिव डॉ. शिव सिंह पहलावत तथा विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र हर्षवर्धन चतुर्वेदी भी उपस्थित रहे।

फरीदाबाद स्थित जेसी बोस यूनिवर्सिटी में बुधवार को कार्यशाला के दौरान एक नाटक का अभ्यास करवाते विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र हर्षवर्धन चतुर्वेदी। • हिन्दुस्तान

सिनेमा निर्माण की बारीकियां सिखाई

जेसी बोस विश्वविद्यालय के पत्रकारिता के पीजी विद्यार्थियों के लिए दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। भविष्य के पत्रकारों और मीडिया पेशेवरों के रूप में विद्यार्थियों के कौशल और दृष्टिकोण को बढ़ाने में सहायक होगी। सिनेमा में संकेत और अर्थ विषय पर आयोजित कार्यशाला में सिनेमा निर्माण की बारीकियां भी सिखाई गईं। कार्यशाला की संयोजिका सहायक प्राचार्य डॉ. तरुणा नरूला ने बताया कि फिल्म विशेषज्ञ दीप्ति खुराना के साथ सिनेमा में संकेत और अर्थ विषय को लेकर आयोजित की गई।

NEWS CLIPPING:05.10.2023

AMAR UJALA

दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजित

फरीदाबाद। जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के संचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी विभाग की ओर से पत्रकारिता में पीजी कर रहे विद्यार्थियों के लिए दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। सिनेमा में संकेत और अर्थ विषय के निर्माण की बारीकियों को बताया गया। इस मौके पर सहायक प्राचार्य डॉ. तरुणा नरूला व फिल्म विशेषज्ञ दीप्ति खुराना ने कई महत्वपूर्ण जानकारियां दी। इस मौके पर पूर्व संचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी विभाग के अध्यक्ष डॉ. पवन सिंह ने मुख्य वक्ता के रूप में मौजूद रहे। संवाद

NEWS CLIPPING:05.10.2023

AMAR UJALA

छात्रों ने 'द मर्चेंट ऑफ वेनिस' किया प्रस्तुत

फरीदाबाद। जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के साहित्य एवं भाषा विभाग की ओर से तीन दिवसीय थिएटर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में छात्रों ने शेक्सपियर के नाटक 'द मर्चेंट ऑफ वेनिस' को प्रस्तुत किया। इसका आयोजन कुलपति प्रोफेसर एसके तोमर के मार्गदर्शन में किया जा रहा है। इसका आयोजन साहित्य के छात्रों ने किया है। इस मौके पर निर्देशक और कलाकर प्रो. रवि चतुर्वेदी और इंडियन सोसाइटी ऑफ थिएटर रिसर्च के सचिव डॉ. शिव सिंह पहलावत मौजूद रहे। संवाद

NEWS CLIPPING:05.10.2023

DAINIK JAGRAN

छात्रों ने सिनेमा निर्माण की बारीकियां समझीं

वि., फरीदाबाद : जेसी बोस विश्वविद्यालय में पत्रकारिता के पीजी विद्यार्थियों के लिए सिनेमा में संकेत और अर्थ विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में सिनेमा निर्माण की बारीकियां भी सिखाई गईं।

कार्यशाला की संयोजक सहायक प्राचार्य डा.तरुणा नरूला ने बताया कि फिल्म विशेषज्ञ दीप्ति खुराना के साथ हमारी सिनेमा वर्कशाप का पहला दिन एक ऐसी सिनेमाई यात्रा थी। जेसी बोस विश्वविद्यालय के संचार एवं मीडिया विभाग के एमएजेएमसी के छात्रों ने एक समृद्ध सिनेमाई यात्रा का अहसास किया। कार्यशाला शुभारंभ से पूर्व संचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी विभाग के अध्यक्ष डा.पवन सिंह ने फिल्म विशेषज्ञ दीप्ति खुराना का स्वागत करते हुए किया। डा.पवन सिंह ने कहा कि ऐसे आयोजन से पत्रकारिता के विद्यार्थियों को फिल्म निर्माण संबंधित व्यावहारिक ज्ञान की प्राप्ति होती है। दीप्ति खुराना की विशेषज्ञता और आकर्षक शिक्षण शैली ने यह सुनिश्चित किया कि छात्र विषय वस्तु की गहरी समझ लेकर निकलें।